अमर उजाला (Amar Ujala)

दिनाँक (Dated): 13.11.2024	पृष्ठ सं0 (Page No). 13	क्रम सं0(Serial No.) 11

बदलाव

विशेष बटालियन में होंगी 1,025 महिलाएं, नेतृत्व करेंगी वरिष्ठ कमांडेंट स्तर की अफसर

सीआईएसएफ की पहली महिला रिजर्व बटालियन को मंजूरी

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने हवाईअड्डों समेत महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों पर सुरक्षा की बढ़ती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की एक हजार से अधिक कर्मियों वाली पहली महिला रिजर्व बटालियन को मंजूरी दी है। इस यूनिट का गठन बल की स्वीकृत जनशक्ति में से किया जाएगा, जो 1.80 लाख कर्मियों की है।

गृह मंत्रालय के आदेश के मुताबिक, सीआईएसएफ की विशेष महिला रिजर्व इकाई में कुल कर्मियों की संख्या 1,025 होगी। इसका नेतृत्व वरिष्ठ कमांडेंट स्तर की अधिकारी करेंगी। अभी बल में 12 रिजर्व बटालियन हैं। जैसा नाम से स्पष्ट है, इन इकाइयों को रिजर्व में रखा जाता है और जरूरत पड़ने पर जिम्मेदारी दी जाती है। मसलन, चुनाव कराने की अस्थायी ड्यूटी और संसद भवन परिसर जैसे प्रतिष्ठान की सुरक्षा का स्थायी कार्य भी इस साल सीआईएसएफ को सौंपा गया है। इसके अलावा, सीआईएसएफ के पास बंगलूरू और पुणे में निजी कंपनी इन्फोसिस और गुजरात के जामनगर में रिलायंस रिफाइनरी की सुरक्षा का जिम्मा भी है।

68 हवाईअड्डों, दिल्ली मेट्रो पर पहले से तैनाती

68 नागरिक हवाईअड्डों, दिल्ली मेट्रो, ताजमहल व लाल किला जैसे ऐतिहासिक स्मारकों की सुरक्षा की जिम्मेदारी सीआईएसएफ के पास है। इन सभी स्थानों पर बड़ी संख्या में महिलाओं की आवाजाही भी होती है। ऐसे में इन सभी जगहों पर बल ने पहले ही महिला सुरक्षाकर्मियों को भी तैनात कर रखा है।

महिला सुरक्षाकर्मियों को मिलेगा विशेष प्रशिक्षण

वर्ष 1969 में गठित सीआईएसएफ में फिलहाल 1.80 लाख सुरक्षाकर्मी हैं, जिनमें 7 फीसदी से ज्यादा महिलाएं हैं। सीआईएसएफ के प्रवक्ता ने बताया कि महिला रिजर्व बटालियन के लिए भर्ती व ट्रेनिंग और इसके लिए जगह तलाशने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अफसरों ने कहाकि महत्वपूर्ण स्थलों पर तैनाती के लिए इन महिला सुरक्षाकर्मियों को विशेष प्रशिक्षण भी दिया जाएगा, ताकि वह हर हालात से निपटने में सक्षम हो सकें।